भा. कृ. अनु. प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई
ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai-61

लेखनशाला (राइटशॉप)

उत्पादकता बढ़ाने के लिए मछली और झींगा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा स्थिरता

14 सितंबर 2023

"मछली और झींगा स्वास्थ्य प्रबंधन में वृद्धि" पर एक लेखनशाला

14 सितंबर, 2023 को अपराह्न 2.30 बजे से जलीय पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग ने "**उत्पादकता बढ़ाने के लिए मछली और झींगा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा स्थिरता** " का आयोजन किया। 'राइटशॉप' का उद्देश्य विभाग के प्रासंगिक क्षेत्र में सर्वोत्तम उपलब्ध वैज्ञानिक जानकारी को संकलित करके एक पुस्तक के रूप में सामने लाना था। झींगा और मछली के स्वास्थ्य के विविध पहलुओं पर जानकारी का समेकित स्रोत छात्रों, वैज्ञानिकों, अनुसंधान विद्वानों और उद्यमियों के लिए उपयोगी होगा। डॉ. सी.एन. रविशंकर, निदेशक एवं कुलपति और डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक, आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज एजुकेशन, मुंबई लेखनशाला के संरक्षक थे। डॉ. मेघा के. बेडेकर, विभागाध्यक्ष , जलीय पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रबंधन विभाग कार्यक्रम की निदेशक थीं और राइटशॉप की अध्यक्षता प्रोफेसर डॉ. अरुण धर निदेशक, एक्वाकल्चर पैथोलॉजी प्रयोगशाला, स्कूल ऑफ एनिमल एंड तुलनात्मक बायोमेडिकल साइंसेज, एरिज़ोना विश्वविद्यालय ने की ।डॉ. गायत्री त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक और डॉ. जीना के., वैज्ञानिक, एईएचएम विभाग आयोजक थे। एईएचएम विभाग के संकाय सदस्यों ने पुस्तक में शामिल किए जाने वाले विषयों पर विचार-विमर्श और निर्णय लेने में रचनात्मक योगदान दिया। संकलन के लिए कुल 21 अध्यायों पर चर्चा की गई। चयनित विषयों की गहनता से जांच की जाएगी तथा फिर से और एक मसौदा डॉ. धर के साथ उनकी मंजूरी के लिए साझा किया जाएगा। निम्नलिखित संकाय सदस्य लेखनशाला के संसाधन व्यक्ति थे।

डॉ. मेघा के. बेडेकर,विभागाध्यक्ष ,एईएचएमडी

डॉ. के. पानी प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक, एईएचएमडी

डॉ. गायत्री त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक, एईएचएमडी

डॉ. एस. पी. शुक्ला, प्रधान वैज्ञानिक, एईएचएमडी

डॉ. विद्याश्री भारती, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एईएचएमडी

डॉ. कुन्दन कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एईएचएमडी

डॉ. अरुण शर्मा, वैज्ञानिक, एईएचएमडी

डॉ. जीना के, वैज्ञानिक, एईएचएमडी

डॉ. सौरव कुमार, वैज्ञानिक, एईएचएमडी

डॉ. नलिनी पुजारी, मुख्य तकनीकी अधिकारी, एईएचएमडी

Central Institute of Fisheries Education